64	म्रसुरा दितिदनुताः पातालाकःसुरार्यः ।	
65	पूर्वदेवाः प्रक्रिशिष्या	83
66	विद्यादेव्यस्तु षोडश ॥ २३८ ॥	
67	रान्धिणी प्रज्ञती वश्रमञ्जला कुलिशाङ्कुशा।	85
68	चक्रेश्वरी नर्दत्ता काल्यथा जसा मन्हापरा ॥ २३६ ॥	98
69	<b>A</b>	.48
70	वैराव्याच्छ्या मानसी मक्मानसिकेति ताः ॥ २८० ॥	88
71	वाग्ब्राह्मी भारती गैगिर्विणी भाषा सर्खतो ।	68
72	श्रुतदेवी । विकास कार्याको नाष्ट्राका	
73	वचनं तु व्यान्हरा भाषितं वचः । २८१ ॥ जाणा	re
74	सविशेषणामाख्यातं वाकां क्रिक्न मानामाने अपानामान	92
75	स्त्याधनकं पर्म्।	93
76	राइसिइकृतेभ्या जन म्रातािकः समयागमा ॥ २४२ ॥	
77	म्राचाराङ्गं सूत्रकृतं स्थानाङ्गं समवाययुग्।	
78	पञ्चमं भगवत्यङ्गं ज्ञाताधर्मक द्यापि च ॥ २८३ ॥	ae
79	उपासकात्तकृदनुत्तरेापपातिकाद्शाः।	97
80	प्रश्नव्याकर्णां चैव विपाकश्रुतमेव च ॥ २८४ ॥	- 86
81	इत्येकाद्श सापाङ्गान्यङ्गानि	66
	All the second of the second o	

64. 65. Die Asura's (7 W.) — 66—70. Die 16 Vidjadevi's. — 71. 72. 1) Sarasvati, die Göttin der Rede, 2) Rede (9 W.). — 73. Rede (4 W.). — 74. Ein Verbum finitum mit seinen Ergänzungen heisst Satz — 75. Was auf s (die Endung des 1ten Cas. Sg.) und die übrigen Casusendungen, so wie das, was auf ti (die Endung der 3ten Person Sg. im Verbo) und die übrigen Personalendungen ausgeht, heisst Wort (pada). — 76. Bewiesene Wahrheit (6 W.). — 77—83. Die 12 hei-